IFP/Newsletter/02/2022

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

वानिकी अनुसंधान गतिविधियों की त्रैमासिक पत्रिका

अरण्योदय

2022

ARANYODAYA

Azadi Ka Amrit Mahotsav

INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY

अप्रैल - जून 2022

निदेशक की कलम से ....

इस तिमाही के दौरान चल रही विभिन्न शोध परियोजनाओं मे निर्दिष्ट प्रयोगात्मक अवलोकनों, डाटा संग्रहण में उत्तरोत्तर प्रगति एवं वानिकी विस्तार संबंधी कार्यक्रमों के अतिरिक्त माननीय राज्यपाल, झारखंड राज्य, श्री रमेश बैस के साथ शिष्टाचार मुलाक़ात के दौरान वानिकी अनुसंधान पर उनसे चर्चा तथा संस्थान में नव-निर्मित तकनीकी प्रदर्शन एवं व्याख्या केंद्र का परिषद के महानिदेशक श्री अरुण सिंह रावत, भा.व.से. द्वारा लोकार्पण किया जाना प्रमुख उपलब्धियां रहीं। वानिकी विस्तार के क्षेत्र में सभी वर्ग समूहों के आगंतुक हितधारककों के लिए यह तकनीकी प्रदर्शन एवं व्याख्या केंद्र प्रमुख आकर्षण का मुख्य केंद्र बन गया है । तिमाही की कुछ प्रमुख झलकियाँ इस त्रैमासिक पत्रिका में वर्णित हैं।

डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक

>अनुसंधान गतिविधियाँ

>संस्थान में विस्तार कार्यक्रम

>सम्मेलन/सेमिनार/बैठक/ कार्यशाला

>प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

>अन्य विशेष कार्यक्रम

>अनुसंधान / शोध प्रकाशन

>कार्यग्रहण/सेवानिवृत्ति

>विशिष्ट व्यक्तियों का आगमन

>समाचार पत्रों में वन उत्पादकता संस्थान

महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून –सह- कुलाधिपति, वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय, देहरादून, श्री अरुण सिंह रावत द्वारा "प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और व्याख्या केंद्र" का उद्घाटन दिनांक 31.05.2022 को किया गया।

त्रैमासिक पत्रिका "अरण्योदय" का पहला संस्करण वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 20.04.2022 को संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी द्वारा जारी किया गया । इस अवसर पर संस्थान के सभी वरिष्ठ वैज्ञानिक/अधिकारी; डॉ. योगेश्वर मिश्रा, डॉ. शरद तिवारी, डॉ. अनिमेष सिन्हा, श्री संजीव कुमार, डॉ. आदित्य कुमार, श्रीमती रूबी सुसाना कुजूर, सुश्री रत्ना वी., श्री पी.सी. लकड़ा, भा. व. से., श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, भा. व. से., और सभी मुख्य तकनीकी अधिकारी भी उपस्थित थें।

अनुसंधान गतिविधियाँ

झारखंड के रामगढ़ एवं खूंटी छेत्रों से आणविक लक्षण वर्णन के लिए *डलबर्जिया लेटीफोलिया* के बीजों और पत्तियों का संग्रहण किया गया।

वन अनुवांशिकी संसाधन परियोजना के अंतर्गत झारखंड में लोहरदगा, सारंडा और सिमडेगा वन क्षेत्रों से क्रमशः *एकेसिया पिन्नाटा, एनोगाइसस लेटीफोलिया* और *ओरोजाइलम इंडिकम* के बीजों का संग्रहण किया गया।

कुशियारगांव, अररिया, बिहार से आणविक लक्षण वर्णन के लिए साल *(शोरिया रोबस्टा)* के 30 अलग-अलग वृक्षों से पत्तियों के नमूने एकत्रित किये गए।

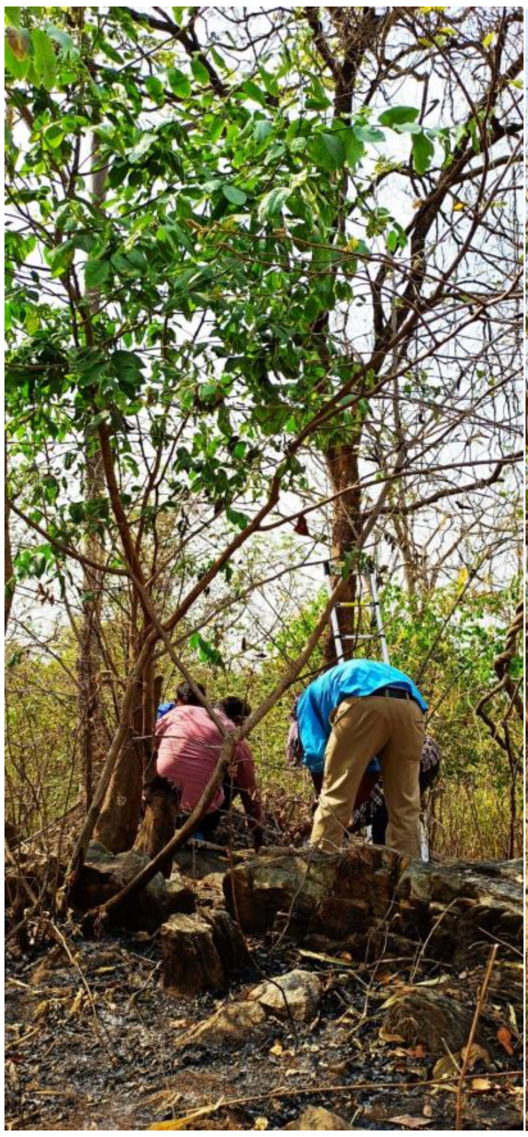

अनुसंधान गतिविधियाँ

वन अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र (F.R.E.C) जदुआ, हाजीपुर में कदम्ब, नीम, महोगनी, *मीलिया, डलबर्जिया सिस्सू* आदि के पौधों का प्रवर्धन क्लोनल एवं अन्य विधियों के द्वारा किया गया।

अररिया जिले के नाथपुर, नरपतगंज, में स्थापित पोपलर-मक्का कृषि वानिकी से मक्के की फसल की कटायी की गयी एवं उपज का आंकड़ा लिया गया।

AICRP-13 के अंतर्गत वनों के हरित सकल घरेलू उत्पाद के आंकलन के लिए पश्चिम बंगाल में सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण किया गया, जिसमे इको-सिस्टम वस्तुओं और सेवाओं का भुगतान से संबन्धित आंकड़े एकत्रित किए गए |

अनुसंधान गतिविधियाँ

पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के 23 डिवीजनों से 30 से अधिक पादप प्रजातियों का दस्तावेजीकरण किया गया।

प्रमुख आक्रामक प्रजातियों के 30 नए प्राप्ति/ उपस्थिति संबंधी डेटा दर्ज किए गए हैं।

दीर्घकालिक निगरानी के माध्यम से वनों पर जलवायु परिवर्तन सम्बंधित प्रभावों के अध्ययन हेतु हरबुल (झारखंड) में स्थापित परछेत्रों से 20 लेपिडोप्टेरा (Lepidoptera) कीट और 10 कवक (Fungi) प्रजातियों की पहचान की गई एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी अन्य वैज्ञानिक आंकड़े भी दर्ज किये गये।

मेलाइना आर्बोरिया के DNA आइसोलेशन प्रोटोकॉल का मानकीकरण और 65 CPTs से जीनोमिक DNA का पृथक्करण किया।

मीलिया डूबिया (*Melia dubia*) वृक्ष प्रजातियों की ETP (Entire Transplant) रोपण तकनीक पहली बार विकसित की गई। यह *मीलिया* वृक्षारोपण को चराई और अन्य जैविक दबाव से बचाने में सहायक होगी ।

आणविक लक्षण वर्णन (Molecular Characterization) और आनुवंशिक विविधता (Genetic Diversity) अध्ययन के लिए चिरौंजी, गमहर, काला शीशम व साल के जीनोमिक DNA का पृथक्करण किया गया|

जारी किए गए क्लोन/किस्में

पौप्लर (*पॉपुलस डेल्टोइड्स*) के पाँच बेहतर प्रदर्शन वाले क्लोनों/ किस्मों को उच्च स्तरीय वैराईटी रिलीजिंग समिति (Variety Releasing Committee) द्वारा बिहार के लिए जारी किया गया । इन नए क्लोन / किस्मों को IFP-BPA-30 (क्षितिज), IFP-BPA-33 (रोहिणी), IFP-BPA-34 (खुशी), IFP-BPA-38 (अरम्भ), IFP-BPA-41 (लक्ष्मी) के नाम से जारी किया गया । इन अनुशंसित क्लोन/ किस्मों की उत्पादकता 36.72 घन मी. प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष (IFP-BPA-38) से 43.11 घन मी. प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष (IFP-BPA-41) तक दर्ज की गयी है।

संस्थान में विस्तार कार्यक्रम

आजादी का अमृत महोत्सव एवं विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर दिनांक 22.04.2022 को "*पर्यावरण संरक्षण में समुदाय की भूमिका*" विषय पर जागरूकता और व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 70 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 12.05.2022 को जैव प्रौद्योगिकी विषय पर साई नाथ विश्वविद्यालय, ओरमांझी, रांची के प्रशिक्षुओं के लिए शैक्षणिक दौरे का आयोजन किया।

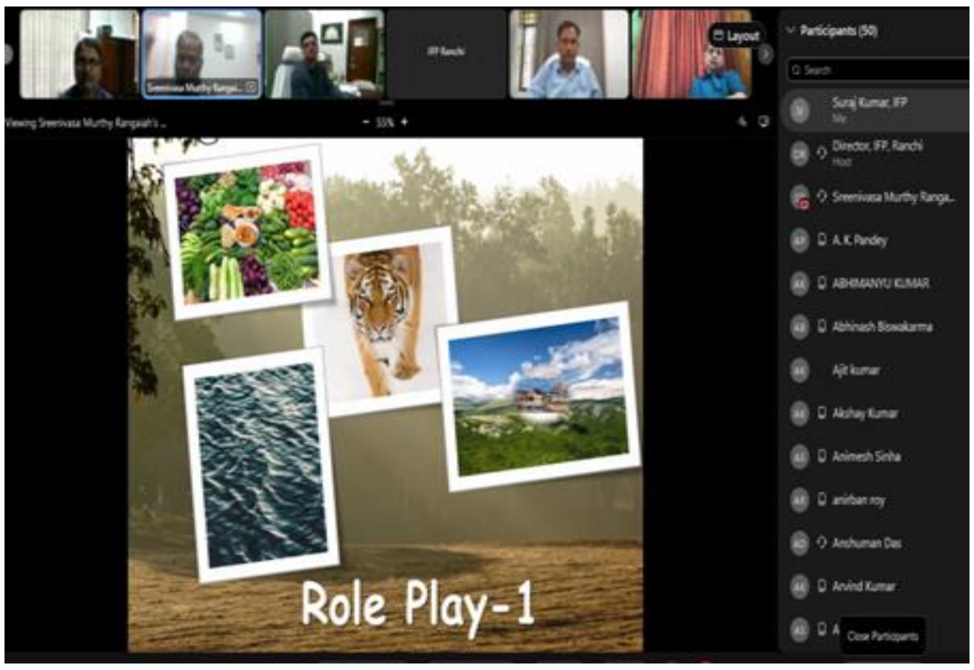

वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 24.05.2022 को आभासीय मंच के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया।

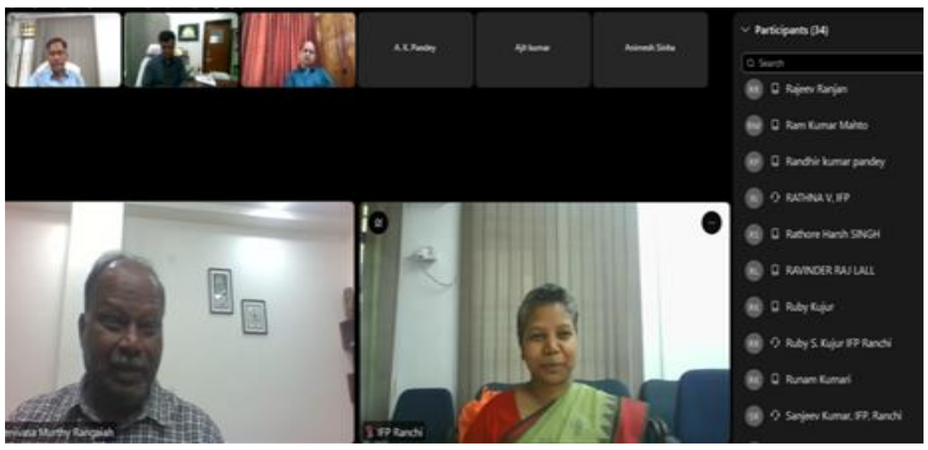

संस्थान में विस्तार कार्यक्रम

आजादी का अमृत महोत्सव की श्रृंखला के अंतर्गत दिनांक 06.05.2022 को योगाचार्य, श्री सुशित बनर्जी की देखरेख में योग दिवस के काउंट डाऊन कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और अनुसंधान कर्मियों ने योगासन और प्राणायाम की विशिष्टताओं के साथ-साथ इसके उपयोग को समझा और उनका अभ्यास किया। योग दिवस के काउंट डाऊन कार्यशाला में संस्थान के 80 प्रतिभागी उपस्थित रहे ।

लेडी के.सी.राय मेमोरियल विद्यालय, रातू, रांची में दिनांक 14.05.2022 को अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2022 के कार्यक्रम में संस्थान ने सहभागिता की। इस कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान की अनुसंधान एवं विस्तार गतिविधियों को पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता में रांची के 25 विभिन्न विद्यालयों के लगभग 350 छात्रों ने भाग लिया। श्री आशीष रावत, अध्यक्ष, झारखंड जैव विविधता बोर्ड-सह-प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) और मुख्य वन्यजीव वार्डन, झारखंड कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहें।

आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 15.06.2022 को खूंटी जिले के तोरपा ब्लॉक के उकड़ीमारी ग्राम में श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, उप वन संरक्षक के नेतृत्व में ग्रामीणों के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय "कृषि-वानिकी का महत्व और उपयुक्त प्रजातियां" था। पूर्व ग्राम प्रधान, श्री एतवा भगत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के श्री एस.एन. वैद्य, श्री रविशंकर प्रसाद, श्री बी.डी. पंडित और श्री सूरज कुमार का योगदान रहा। कार्यक्रम में लगभग 60 ग्रामीणों ने भाग लिया।

संस्थान में विस्तार कार्यक्रम

वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 20 मई, 2022 को आजादी का अमृत महोत्सव श्रृंखला के अंतर्गत "जीविकोपार्जन के लिए कीट जनित उत्पादों का महत्व" विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें संस्थान के श्री सुभाष चंद्र, वैज्ञानिक-डी; श्री एस.एन. वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी; श्री बी.डी. पंडित, तकनीकी अधिकारी और श्री सूरज कुमार, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, भा.व.से., उप वन संरक्षक के नेतृत्व में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 45 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी और विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज के 22 कृषि स्नातक छात्रों ने वन उत्पादकता संस्थान, रांची का भ्रमण किया। छात्रों को संस्थान की गतिविधियों से अवगत कराया गया और उन्हें प्रौद्योगिकी प्रदर्शन एवं व्याख्या केंद्र, बांस उद्यान, प्रयोगशालाओं एवं प्रायोगिक क्षेत्रों का प्रदर्शन कराया गया।

सम्मेलन/सेमिनार/बैठक/कार्यशाला

अरण्य भवन कोलकाता में दिनांक 22.04.2022 को डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने पश्चिम बंगाल राज्य वन विभाग, कोलकाता की अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया और पश्चिम बंगाल राज्य से वित्त पोषण हेतु प्रस्तुत नई अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों एवं सहयोग पर चर्चा की।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के बोर्ड रूम में दिनांक 28.04.2022 को माननीय मंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन एवं ICFRE सोसाइटी के अध्यक्ष, श्री भुपेंद्र यादव की अध्यक्षता में ICFRE सोसाइटी की 28वीं वार्षिक आम बैठक में डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने भाग लिया।

झारखंड राज्य वन विभाग एवं सेंटर फॉर एनवायरनमेंट अँड एनर्जी (CEED), रांची के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 9 मई 2022 को "Glasgow Convention: Sustainable Pathway for Future Ready Jharkhand" प्रसंग पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में संस्थान के डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, श्री संजीव कुमार, वैज्ञानिक-ई, श्रीमती अंजना एस. तिर्की, भा.व.से. और श्री अंशुमान दास, वैज्ञानिक-बी ने भाग लिया। इसमें डॉ. कुलकर्णी द्वारा "Resilient Practices for Harvesting Forest's Potential in a Sustainable Way " विषय पर आमंत्रित संभाषण प्रस्तुत किया गया।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 21 मई, 2022 को आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया और संस्थान में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

संस्थान के डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक; समूह समन्वयक अनुसंधान, डॉ. योगेश्वर मिश्रा और विस्तार प्रभारी, श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, भा.व.से. ने झारखंड के माननीय राज्यपाल महोदय, श्री रमेश बैस के साथ दिनांक 18-05-2022 को शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने माननीय राज्यपाल महोदय को संस्थान द्वारा किए जा रहे अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों से अवगत कराया। चर्चा के दौरान महामहिम को विभिन्न क्षेत्रों में किये जा रहे वन अनुसंधान गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी गई। महामहिम ने बांस सुधार पर कुछ निर्देश प्रदान किये।

सम्मेलन/सेमिनार/बैठक/कार्यशाला

डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 16.06.2022से 17.06.2022 तक केंद्रीय तसर अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान, रांची की अनुसंधान सलाहकार समिति (आर.ए.सी) की 50वीं बैठक के एजेंडा बैठक में भाग लिया।

संस्थान द्वारा दिनांक 17-06-2022 को "कृषि वानिकी व्यवस्था" विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सभी वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों, अनुसंधान कर्मचारियों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

दिनांक 20-06-2022 को वर्ष 2021-22 के दौरान हिंदी राजभाषा की वार्षिक प्रगति की समीक्षा के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा माननीय महानिदेशक, श्री. अरुण सिंह रावत की अध्यक्षता में आयोजित हिंदी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया।

झारखंड राज्य वन विभाग एवं सेंटर फॉर एनवायरनमेंट अँड एनर्जी (CEED), रांची के संयुक्त तत्वावधान में "Building Climate Resilient Jharkhand: The Way Forward for Adaptation and Mitigation" प्रसंग पर दिनांक 21-06-2022 को आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने भाग लिया एवं "Climate Resilient Agroforestry in Jharkhand " विषय पर अपना आमंत्रित संभाषण प्रस्तुत किया।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ) के 28 स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए दो सप्ताह का शोध प्रबंध-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 18.04.2022 से 28.04.2022 तक आयोजित किया।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने ओड़ीशा राज्य वन विभाग के वन अधिकारियों के लिए "Standard Operating Procedure (SOP) on Seed Collection, Handling and Testing" पर दिनांक 19.04.2022 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री अरुण सिंह रावत, भा. व. से., महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून रहें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ओड़ीशा राज्य वन विभाग के 100 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची नें उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के सहयोग से ओडिशा राज्य वन विभाग के अधिकारियों के लिए "Standard Operating Procedure (SOP) on Forestry Plantations" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला का आयोजन दिनांक 21.04.2022 को किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ओड़ीशा राज्य वन विभाग के 150 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून और उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर के सहयोग से ओडिशा राज्य वन विभाग के वन अधिकारियों के लिए "Standard Operating Procedure (SOP) on Plus Tree Selection and Nursery Techniques" विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 27 से 28 अप्रैल 2022 को ओडिशा वन रेंजर्स कॉलेज, अंगुल में आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ओडिशा की कुछ प्रमुख प्रजातियों के प्लस ट्री चयन प्रक्रियाओं और नर्सरी तकनीकों का विस्तार करना था। ओडिशा राज्य के ओडिशा वन प्रभागों के सहायक वन संरक्षक के स्तर के कुल 50 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

संस्थान द्वारा दिनांक 4 से 5 मई, 2022 को समाजिक बंजर भूमि विकास (एस.पी.डब्ल्यू.डी) नामक गैर - सरकारी संस्था (NGO) के 15 प्रगतिशील किसानों के समूह के लिए "बांस की खेती" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बांस की खेती से संबन्धित विभिन्न पहलुओं पर सम्भाषण एवं फील्ड प्रदर्शन भी सम्मिलित कराये गए।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण

हिमालय वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा आयोजित भारतीय वन सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम में डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, वन उत्पादकता संस्थान, रांची नें दिनांक 06-06-2022 को "Integrated Insect Pest Management in Forestry: Problems and Prospects" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्हे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में भी आमंत्रित किया गया था।

संस्थान के द्वारा हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, रिचुगुटा (लातेहार) के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत "लाह की खेती" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 23-06-2022 को ग्रामीणों के लिए किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री नीरज कुमार, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, लोहरदगा एवं उपस्थित जनप्रतिनिधि एवं पंचायत समिति सदस्य, देवधारिया नें इस प्रकार के कार्यक्रम को इस क्षेत्र के लिए उपयोगी बताया। इस प्रशिक्षण से आसपास के गांवों के लगभग 50-60 किसान लाभान्वित हुए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन संस्थान की उप वन संरक्षक, श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की के नेतृत्व में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु श्री एस.एन. वैद्य, श्री निसार आलम और श्री बी.डी. पंडित ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अन्य विशेष कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योगाचार्य श्री सुशित बनर्जी और उनके दल के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 21.06.2022 को योग और प्राणायाम कार्यक्रम का आयोजन मिश्रित प्रकार से किया गया। जहां संस्थान के रांची मुख्यालय में निदेशक सहित सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और शोध अध्येयताओं ने योग कार्यक्रम में योगासन और प्राणायाम का सक्रिय अभ्यास प्रस्तुत किया, वहीं संस्थान के अन्य केन्द्रों; पर्यावरणीय अनुसंधान केंद्र, सुकना (दार्जीलिंग), वानिकी अनुसंधान एवं विस्तार केंद्र, हाजीपुर (पटना), लाह बीज केंद्र, चँदवा (लातेहार) एवं वानिकी अनुसंधान केंद्र, मांडर में पदस्थ सभी जनों की इस कार्यक्रम में आभासीय मध्यम से सक्रिय सहभागिता रही।

अन्य विशेष कार्यक्रम

महानिदेशक महोदय का वन उत्पादकता संस्थान, रांची का दौरा

माननीय महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून –सह- कुलाधिपति, वन अनुसंधान संस्थान सम-विश्वविद्यालय, देहरादून, श्री अरुण सिंह रावत का वन उत्पादकता संस्थान, रांची में आगमन पर डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक, डॉ. योगेश्वर मिश्रा, समूह समन्वयक (अनुसंधान) समस्त वैज्ञानिकों और अधिकारियों द्वारा दिनांक 31.05.2022 को स्वागत किए जाने के पश्चात अनुसंधान परियोजनाओं के संबंध में संस्थान के वैज्ञानिकों और अधिकारियों के साथ माननीय महानिदेशक द्वारा विस्तृत चर्चा की गई।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के माननीय महानिदेशक, श्री अरुण सिंह रावत के संस्थान आगमन पर एक बैठक में महानिदेशक महोदय ने संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारीयों व कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए संस्थान की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया | इस अवसर पर संस्थान द्वारा प्रकाशित पांच अलग – अलग प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया | वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों के साथ एक अलग से आयोजित बैठक सत्र में संस्थान में चल रही परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गयी व भूरी – भूरी प्रशंसा के साथ आगे के कार्यों हेतु सुझाव भी प्रस्तुत किए।

अन्य विशेष कार्यक्रम

महानिदेशक महोदय का वन उत्पादकता संस्थान, रांची का दौरा

महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून, श्री अरुण सिंह रावत ने वन अनुसंधान केंद्र, मांडर केंद्र में किए जा रहे राष्ट्रीय बांस मिशन के अंतर्गत स्थापित बांस की रोपणी तथा बांस के प्रदर्शन-रोपण का निरीक्षण दिनांक 01.06.2022 को किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक, समूह समन्वयक अनुसंधान एवं अन्य वैज्ञानिक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। स्थल निरीक्षण के पश्चात महानिदेशक ने किए जा रहे कार्यों की सराहना की और मांडर केंद्र के उन्नयन और सुधार हेतु अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

माननीय महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून, श्री अरुण सिंह रावत ने संस्थान द्वारा आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में दिनांक 02.06.2022 को भाग लिया। महानिदेशक के अलावा, डॉ. सी. कुन्नीकानन, निदेशक, वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर और संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने भी परिसर में पौधे लगाए। कार्यक्रम में संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान) सहित सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों और अनुसंधान कर्मियों ने भाग लिया।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के माननीय महानिदेशक, श्री. अरुण सिंह रावत ने हिंडाल्को लिमिटेड द्वारा खनन पूर्व चकला खानों की जैव विविधता के आकलन हेतु भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून द्वारा आयोजित बैठक की अध्यक्षता दिनांक 02.06.2022 को की। बैठक में वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहारादून एवं अन्य संस्थानों से पधारे डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), डॉ. सी. कुन्नीकानन, निदेशक, वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयंबटूर, हिंडाल्को लिमिटेड झारखंड के प्रतिनिधियों और परिषद के अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अन्य विशेष कार्यक्रम

संगोष्ठी में भागीदारी

राज्य जैव विविधता प्राधिकरण और झारखंड राज्य वन विभाग, रांची के सहयोग से झारखंड जैव विविधता बोर्ड द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस, 2022 पर संगोष्ठी में दिनांक 22-05-2022 को वन उत्पादकता संस्थान ने भाग लिया। समूह चर्चा का संचालन डॉ. शंभू नाथ मिश्रा, मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, भा.व.से., श्री राजीव रंजन, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी और श्री एस.एन.वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया।

श्री अंशुमान दास, वैज्ञानिक 'बी' ने सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में आयोजित कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण पर "संसदीय स्थायी समिति की बैठक" में दिनांक 23-05-2022 को वन उत्पादकता संस्थान, रांची का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लिया, और संसदीय समिति के साथ भा.कृ.अनु.प-केंद्रीय रोपण फसल अनुसंधान संस्थान के मोहितनगर, जलपाईगुड़ी क्षेत्रीय केंद्र का दौरा किया।

वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने संयुक्त रूप से आभासीय मंच के माध्यम से दिनांक 25-05-2022 को वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद के साथ क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन, 2022 का आयोजन किया। सम्मेलन में भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक, उप महानिदेशक (अनुसंधान), झारखंड, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और तेलंगाना के प्रधान मुख्य वन संरक्षक और वन अधिकारी सम्मिलित हुए। बैठक में वन उत्पादकता संस्थान, रांची एवं वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद के निदेशक, समूह समन्वयक अनुसंधान, सभी वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी, अन्य कर्मचारी और भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के अन्य प्रतिष्ठित अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस सम्मेलन में कुल 70 प्रतिभागियों नें भाग लिया।

संस्थान ने विश्व पर्यावरण दिवस, 2022 के अवसर पर दिनांक 05.06.2022 को आभासीय मंच के माध्यम से एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें डॉ. अंशुमाली, प्रोफेसर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, धनबाद ने "पृथ्वी एक है" विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. अंशुमाली ने पर्यावरण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक एवं समूह समन्वयक अनुसंधान, सहित संस्थान एवं बाह्य केंद्रों के वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अनुसंधान कर्मियों ने आभासीय मंच के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. योगेश्वर मिश्रा, वरिष्ठ वैज्ञानिक और समूह समन्वयक अनुसंधान, वन उत्पादकता संस्थान, रांची द्वारा दिनांक 21.04.2022 को बांस टर्निंग मशीन का उद्घाटन किया गया।

डॉ. शरद तिवारी, वैज्ञानिक-जी, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची में "Geographical Information system & spatial modelling lab exam " के बाह्य पर्यवेक्षक के रूप में योगदान दिया।

डॉ. शंभू नाथ मिश्रा, मुख्य तकनीकी अधिकारी, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में "Casual & time scale forum workers engagement retrenchment record maintenance, EPF management etc" पर आमंत्रित विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

डॉ. योगेश्वर मिश्रा, समूह समन्वयक अनुसंधान, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने झारखंड के किसानों के लिए अतिरिक्त राजस्व सृजन हेतु लेमन ग्रास की खेती पर न्यूज़-18 के टेलीविज़न Talk Show में दिनांक 11.06.2022 को भाग लिया।

डॉ. योगेश्वर मिश्रा, समूह समन्वयक अनुसंधान, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने दिनांक 13.06.2022 को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची में "*बकैन* (*Melia Azedarach*) अंकुरों की वृद्धि और विकास पर पौधों के पोषक तत्वों के विभिन्न स्रोतों का प्रभाव" विषय पर थीसिस पुरस्कार बैठक में भाग लिया । उन्होंने सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में भी भाग लिया और वानिकी संकाय, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, कांके, रांची के बोर्ड कक्ष में मौखिक परीक्षा में बाह्य परीक्षक के रूप में योगदान दिया।

दिनांक 14.06.2022 को डॉ. योगेश्वर मिश्रा, समूह समन्वयक अनुसंधान, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने वन संरक्षक कार्यालय, डोरंडा, रांची में वॉक-इन इंटरव्यू समिति के सदस्य के रूप में भाग लिया।

दिनांक 15.06.2022 को डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक एवं डॉ. योगेश्वर मिश्रा, समूह समन्वयक अनुसंधान, वन उत्पादकता संस्थान, रांची ने गैर-सरकारी संगठन, सुचेतना ग्रामीण विकास सोसायटी, जी.टी. रोड, बर्धमान, पश्चिम बंगाल, के साथ बांस के विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की । उन्होंने बांस को एक सतत औद्योगिक इनपुट के रूप में इस्तेमाल एवं बांस बायोमास के उत्पादन पर सामाजिक उद्यमिता के लिए एक पारंपरिक उपकरण के दृष्टिकोण से बांस पर चर्चा की।

दिनांक 23.06.2022 को श्री सिद्धार्थ त्रिपाठी, मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान), झारखंड राज्य वन विभाग ने वन उत्पादकता संस्थान, रांची का दौरा किया और विभिन्न प्रभागों के अनुसंधान वैज्ञानिकों और अनुसंधान कर्मचारियों के साथ समाज के कल्याण में सहयोगी अनुसंधान क्षेत्रों एवं परस्पर सहयोग की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यग्रहण/सेवानिवृत्ति

श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, भा.व.से. (म.प्र. 2010), ने दिनांक 19.04.2022 को वन उत्पादकता संस्थान, रांची में उप वन संरक्षक के पद पर अपना योगदान दिया ।

श्री जतीन्द्र नाथ मेहता, दिनांक 30.04.2022 को वन उत्पादकता संस्थान, रांची से सेवा-निवृत हुए।

अनुसंधान / शोध प्रकाशन

Tiwari, S. Sharma, J. Singh, R. and Mujibar Rahaman, Sk. (2022) Shrinking Natural Resources and Societal Needs Amid Climate Change.JOJ Wildlife and Biodiversity vol:4 (2) DOI 10.19080/CTBEB.2022.04.555636,ISSN:2688-3856

Kulkarni, N. and Chander, S. (2022). *Hoplocerambyx spinicornis* Newman: Major Heartwood Borer of Sal, Shorea robusta and Its Management in India, Pp. 289-328. In: Sundararaj, R. (eds.) *Science of Wood Degradation and its Protection.* Springer, Singapore, 744p. https://doi.org/10.1007/978-981-16-8797-6_9

Mishra, SN. Kulkarni, N. Mishra, Y. . Pandey, K. Kumar, R. (2022) Quantification of above Ground Biomass(AGB) and Carbon stock, help to mitigate Climate Change in the Western Plateau Forest Division of Jharkhand. DOI:10.26855/as.2022.04.001, ISSN:2769-3074

विशिष्ट व्यक्तियों का आगमन

श्री अरुण सिंह रावत, भा.व.से

महानिदेशक, आई.सी.एफ.आर.ई., देहरादून

(दिनांक 31 मई से 2 जून, 2022)

श्री सुधीर कुमार

उप-महानिदेशक, आई.सी.एफ.आर.ई., देहरादून

(दिनांक 2 जून, 2022)

डा. सी. कुन्नीकानन

निदेशक, वन आनुवंशिकी और वृक्ष प्रजनन संस्थान

कोयंबटूर

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

(भारतीय वानिकी अनुसंधन एवं शिक्षा परिषद)

रांची गुमला रोड, लालगुटवा - रांची

सम्पर्क :

निदेशक

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

फ़ोन : 0651 - 2526140, 2526150, 2776900

इमेल: dir_ifp@icfre.org, ifpranchi2018@gmail.com

वेबसाइट :http://ifp.icfre.org

वन उत्पादकता संस्थान में व्याख्या केंद्र का उद्घाटन

पिस्कानगड़ी. वन उत्पादकता संस्थान लालगुटवा में प्रौद्योगिकी सह व्याख्या केंद्र का उद्घाटन भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के महानिदेशक अरुण सिंह रावत व संस्थान के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी ने संयुक्त रूप से किया. श्री रावत ने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से वानिकी शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों व वानिकी सेवाओं के विभिन्न उपयोगकर्ताओं के बीच संपर्क व सहयोग बढ़ेगा. यह केंद्र क्षेत्र के महाविद्यालय व संस्थानों के विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों की शैक्षणिक व्यवस्था में अति लाभदायी साबित हो सकता है.

अतिरिक्त आय का साधन है लाह की खेती : अंजना

संवाद सूत्र, चंदवा (लातेहार) : लाह की खेती अतिरिक्त आय का साधन है। इससे किसान खुद को समृद्ध करने के साथ देश को समृद्धि के मार्ग पर ले जा सकते हैं। उक्त बातें वन उत्पाकता संस्थान रांची के अंजना सुचिता तिर्की (भावसे) ने सामुदायिक स्वास्थय भवन मे हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा आयोजित लाह की खेती पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहीं। कहा कि कृषि कार्य के साथ लाह की खेती की जा सकती है। बताया कि लाह झारखंड के महिला-पुरूष किसानों के जीवन में बदलाव ला रहा है। देश-विदेश में बढ़ती लाह की मांग के कारण लाह की खेती रोजगार का एक बेहतर विकल्प बनती जा रही है। संस्थान के विष्णुदेव पंडित ने कहा कि झारखंड की जलवायु और घने जंगल लाह की खेती में सहायक साबित हो रहे हैं। पलायन पर भी विराम लगाने में यह सहायक बन रहा है। बताया कि इस क्षेत्र में बेर, कुसुम बहुतायत मात्रा में पाए जाते हैं। हेमंत सोरेन ने लाह उत्पादन को बढ़ाने और कृषि का दर्जा देने की बात कही है। ऐसा होने के बाद किसानों की आय में वृद्धि होगी। संस्थान के एसएन वैद्य, नीरज कुमार आदि ने कहा कि इस क्षेत्र में लाह उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मौजूद लोग • जागरण

समाचार पत्रों में वन उत्पादकता संस्थान

बांस उत्पादकों को बढ़ावा देने के लिए
पहड़िया युवाओं को मिला प्रशिक्षण

आवाज प्रतिनिधि। 6 मई

तालझारी/साहिबगंज। तालझारी प्रखंड के पकड़िया पहाड़, बोंगा पहाड़, दरबास पहाड़, बेकचुरी पहाड़, बासबेरा पहाड़ के 15 किसानों को जीवि दाः हासा प्रोजेक्ट के तहत बांस की वैज्ञानिक खेती को लेकर 2 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण का आयोजन परती भूमि विकास समीति एस पी डब्लू डी एवं वन उत्पादकता संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य बांस उत्पादक पहड़िया युवाओं को बांस की आधुनिक खेती और उपयोग की जानकारी उपलब्ध कराना था। 4 मई के उद्घाटन सत्र में आईएफपी के निदेशक डॉ नीतिन कुलकर्णी, जीआरसी डॉ योगेश्वर मिश्रा, डीएफओ अंजना तिकी सहित अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक और एस पी डब्लू डी के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। वही आईएफपी के डायरेक्टर ने अपने उद्घाटन संबोधन में किसानों को संस्थान द्वारा बांस उत्पादन तथा उसके प्रसंस्करण के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। जीआरसी डॉ योगेश्वर मिश्रा ने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से संस्थान द्वारा बांस उत्पादन के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों को बताया, इसके आलावे उन्होंने भारत सरकार द्वारा बांस की खेती को बढ़ावा देने के लिए किये जा रहे योजनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की। 2 दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम को इस प्रकार से डिज़ाइन किया गया कि किसानों को क्लास रूम ट्रेनिंग के साथ साथ फील्ड में खुद से कर के देखने का भी मौका मिले। किसानों को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बांस की अलग अलग प्रजातियों, उनके गुणधर्म और उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही नए बांस ऑर्चर्ड के लिए खर्च, पौधा से पौधा की दूरी, पिट साइज और देखरेख पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इसके बाद संस्थान के 10 एकड़ में फैले अलग अलग किस्म की बांस, उनके उपयोग आदि को प्रत्यक्ष दिखाया गया। शाम में बांस की पौध तैयार करने की विधियों, उसके फायदे आदि को बताया गया।

वन उत्पादकता संस्थान में प्रौद्योगिकी व्याख्या केन्द्र का उद्घाटन

प्रदर्शन

पिस्का नगड़ी, प्रतिनिधि। नगड़ी के लाल गुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन सह व्याख्या केन्द्र का उद्घाटन किया गया। मौके पर उपस्थित मुख्य अतिथि अरूण सिंह रावत (देश के प्रख्यात वन अधिकारी और भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून के निदेशक) ने फिता काटकर किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में अरूण सिंह रावत ने कहा वानिकी क्षेत्र के इस शैक्षणिक संस्थान मे इस प्रकार के प्रदर्शन और व्याख्या केंद्र की आवश्यकता थी। उन्होंने आशा व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र वानिकी शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों, हितधारकों और वानिकी सेवाओं के विभिन्न उपयोगकर्ताओं के बीच संपर्क और सहयोग को बढ़ावा देगा। वन उत्पादकता संस्थान, रांची का इस क्षेत्र में यह कदम सराहनीय है एवं इस क्षेत्र एवं आसपास के लोगों के लिए यह एक वरदान साबित होगा।

मुख्य अतिथि ने संस्थान परिसर में लगे वन उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की। मौके पर संस्थान के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी सहित वैज्ञानिक और पदाधिकारी गण मौजूद थे।

वानिकी अनुसंधान गतिविधियों की त्रैमासिक पत्रिका

अप्रैल - जून 2022

अरण्योदय 2022

ARANYODAYA

INSTITUTE OF FOREST PRODUCTIVITY

वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, की एक स्वायत्त निकाय

लालगुटवा, एन.एच. 23, गुमला रोड, रांची

दूरभाष: 0651 - 2526140, 2526150,2776900

इमेल: dir_ifp@icfre.org, ifpranchi2018@gmail.com

वेबसाइट :http://ifp.icfre.org

मुख्य संपादक

डॉ. नितिन कुलकर्णी, निदेशक

संपादक - मंडल

डॉ. योगेश्वर मिश्रा, वैज्ञानिक-जी और समूह समन्वयक (अनुसंधान)

डॉ. शरद तिवारी, वैज्ञानिक-जी एवं प्रभागाध्यक्ष

डॉ. अनिमेष सिन्हा, वैज्ञानिक-एफ एवं प्रभागाध्यक्ष

श्री संजीव कुमार, वैज्ञानिक-ई एवं प्रभागाध्यक्ष

डॉ. आदित्य कुमार, वैज्ञानिक- ई एवं प्रभारी (एफ.आर.ई.सी) हाजीपुर

श्री पी.सी.लकड़ा, (I.F.S), उ.व.सं एवं प्रभारी, ई.आर.एस, सुकना

श्रीमती रूबी एस. कुजूर, वैज्ञानिक-सी एवं हिन्दी अधिकारी

श्री एस. एन. वैद्य, मुख्य तकनीकी अधिकारी

श्री रवींद्र राज लाल, मुख्य तकनीकी अधिकारी

संकलन और डिजाइन

श्री निसार आलम, मुख्य तकनीकी अधिकारी

75 Azadi Ka Amrit Mahotsav